५

इन्साफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के
ये देश है तुम्हारा, नेता तुम्हीं हो कल के
दुनिया के रंज सहना और कुछ न मुँह से कहना
सच्चाइयों के बल पे आगे को बढ़ते रहना
रख दोगे एक दिन तुम संसार को बदल के इन्साफ़ की ...
अपने हों या पराए सबके लिये हो न्याय
देखो कदम तुम्हारा हरगिज़ न डगमगाए
रस्ते बड़े कठिन हैं चलना सम्भल-सम्भल के इन्साफ़ की ...
इन्सानियत के सर पर इज़्ज़त का ताज रखना
तन मन की भेंट देकर भारत की लाज रखना

६

ये देश है वीर जवानों का अलबेलों का मस्तानों का
इस देश का यारों क्या कहना ये देश है दुनिया का गहना।
यहाँ चौड़ी छाती वीरों की, यहाँ भोली शक्लें हीरों की
यहाँ गाते हैं रांझे मस्ती में, मस्ती है घूमे बस्ती में।
पेड़ों पे बहारें झूलों की, राहों में कतारें फूलों की
यहाँ हँसता है सावन बालों में ,खिलती है कलियाँ गालों में
कहीं दंगल शोख जवानों के, कहीं करतब तीर कमानों के
यहाँ नित नित मेले सजते हैं नित ढोल और ताशे बजते हैं
दिलबर के लिए दिलदार हैं हम दुश्मन के लिए तलवार हैं हम
मैदां में अगर हम डट जाएँ मुश्किल है कि पीछे हट जाएँ।

७

**नन्हा मुन्ना रही हूँ**

नन्हा मुन्ना रही हूँ देश का सिपाही हूँ बोलो मेरे संग,
जय हिंद, जय हिंद, जय हिंद जय हिंद जय हिंद
नन्हा मुन्ना रही हूँ देश का सिपाही हूँ बोलो मेरे संग
जय हिंद, जय हिंद, जय हिंद जय हिंद जय हिंद
रस्ते पे चलूँगा न डर डर के
चाहे मुझे जीना पड़े मर मर के........... २
मंजिल से पहले न लूँगा कभी दम आगे ही आगे बढ़ाऊंगा कदम
दाहिने बाएँ दाहिने बाएँ थम नन्हा मुन्ना राही हूँ ............
नया है ज़माना मेरी नयी है डगर
देश को बनाऊंगा मशीनों का नगर........... २
भारत किसी से रहेगा नहीं कम आगे ही आगे बढ़ाऊंगा कदम
दाहिने बाएँ दाहिने बाएँ थम नन्हा मुन्ना राही हूँ ............
बड़ा होके देश का सहारा बनूँगा
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा........... २
रखूँगा ऊँचा तिरंगा परचम आगे ही आगे बढ़ाऊंगा कदम
दाहिने बाएँ दाहिने बाएँ थम नन्हा मुन्ना राही हूँ ............
शांति की नगरी है मेरा ये वतन
सबको सिखाऊंगा मैं प्यार का चलन........... २
दुनिया में गिरने न दूंगा कभी बम आगे ही आहे बढ़ाऊंगा कदम
देहने बाएँ देहने बाएँ थम नन्हा मुन्ना रही हूँ .........
बोलो मेरे संग जय हिंद जय हिंद जय हिंद जय हिंद जय हिंद

## ८

होंगे कामयाब होंगे कामयाब हम होंगे कामयाब एक दिन
हो हो मन मे है विश्वास पूरा है विश्वास हम होंगे कामयाब एक दिन॥॥
होगी शांति चारो ओर होगी शांति चारो ओर होगी शांति चारो ओर एक दिन
हो हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास होगी शांति चारो ओर एक दिन ॥१॥
हम चलेंगे साथ साथ डाले हाथो में हाथ हम चलेंगे साथ साथ एक दिन
हो हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास हम चलेंगे साथ साथ एक दिन॥२॥
नही डर किसी का आज
नही भय किसी का आज
नही डर किसी का आज के दिन
हो हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास नही डर किसी का आज एक दिन ॥३॥

## ९

**मेरा रंग दे बसंती चोला मेरा रंग दे**
**मेरा रंग दे बसंती चोला ओये रंग दे बसंती चोला**
**माये रंग दे बसंती चोला**

**दम निकले इस देश की खातिर बस इतना अरमान है**
**एक बार इस राह में मरना सौ जन्मों के समान है**
**देख के वीरों की कुरबानी अपना दिल भी बोला**
**मेरा रंग दे...**

**जिस चोले को पहन शिवाजी खेले अपनी जान पे**
**जिसे पहन झांसी की रानी मिट गई अपनी आन पे**
**आज उसी को पहन के निकला पहन के निकला**
**आज उसी को पहन के निकला हम मस्तों का टोला**
**मेरा रंग दे...**

# वसंत वैली स्कूल
## प्रभात फेरी
## १५ अगस्त, २०१९

### १

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा
हम बुलबुले हैं इसकी, वो गुलसितां हमारा
पर्वत वो सबसे ऊँचा, हम साया आसमाँ का
वो संतरी हमारा, वो पासवां हमारा, सारे...
गोदी में खेलती हैं, जिसके हज़ारों नदियां
गुलशन है जिसके दम से,
रश्क-ए-जिनां हमारा, सारे....
मजहब नहीं सिखाता,
आपस में बैर रखना
हिन्दी हैं हम वतन हैं,
हिन्दोस्तां हमारा, सारे...

### २

छोड़ों कल की बातें, कल की बात पुरानी,
नए दौर में लिखेंगे मिलकर,
नई कहानी हम हिंदुस्तानी......।
आज पुरानी जंजीरों को तोड़ चुके हैं,
क्या देखें उस मंजिल को, जो छोड़ चुके हैं ।
चाँद के दर पे जा पहुँचा है आज ज़माना
नए जगत से हम भी नाता जोड़ चुके हैं।
नया खून है, नई उमंगें ,
अब है नई जवानी
हम हिंदुस्तानी...........।

### ३

ऐ वतन ऐ वतन ...
तुझको मेरी क़सम
तेरी राहों मे जां तक लुटा जायेंगे
फूल क्या चीज़ है तेरे कदमों पे हम
भेंट अपने सरों की चढ़ा जायेंगे
ऐ वतन ऐ वतन
कोई पंजाब से, कोई महाराष्ट्र से
कोई यू पी से है, कोई बंगाल से
तेरी पूजा की थाली में लाये हैं हम
फूल हर रंग के, आज हर डाल से
नाम कुछ भी सही पर लगन एक है
जोत से जोत दिल की जगा जायेंगे
ऐ वतन ऐ वतन ...

### ४

रघुपति राघव राजा राम
पतित पावन सीता राम
सीता राम सीता राम
भज प्यारे तू सीता राम
रघुपति....................।
ईश्वर अल्लाह तेरो नाम
सबको सन्मति दे भगवान्
रघुपति.................।